30-3-67 ओम शान्ति रात्रीक्लास

भारत ही प्राचीन था। देवी देवताओं का राज्य था। अभी तमोप्रधान बन गये है। भगवानोवाच मुझे याद करो तो तुम्हारे पाप भस्म हो जावेंगे। तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। प्रदर्शनी में तो समझाने के लिये 5,7 चित्र भी काफी है। इतने चित्र होते हुये भी लोग समझते नही है, वो ऐसे कहे कि समझाने वाले ठीक समझाते नही है। यूँ तो कहे कि कोटो में कोई, कोई में कोई ही निकलेगा। है बहुत सहज बातें। पहले-2 मुख्य बात बाप की याद समझाती नही है और मुफत मेहनत तीक-2 करती रहती है। पहले पूछना चाहिये कि भगवान कौन है?? वो तो जरूर बाप ही है ना। नाम में बडी मिलावट है। बाप स्वर्ग का रचता है। अच्छी तरह प्रदर्शनी देखेंगे तो वो समझेंगे भी। परन्तु बाबा समझते है कि तीक-2 बहुत करते है। गुड नाईट

31-3-67 रात्री क्लास — पहले-2 महिमा है ऊँच ते ऊँच भगवान की। बाबा ने कहा भी है कि शिव बाबा की महिमा का कार्ड बनाओ। उसमे पूरी महिमा लिखनी चाहिये ज्ञान का सागर सुख का सागर। मुख्य पहले-2 सिद्ध करना है कि गीता का भगवान कृष्ण नही है शिव बाबा है। गीता ही भारत का शास्त्र है। तुम बच्चों को भी सारी समझानी इसी पर ही मिलती है। 84 जन्म भी भारतवासी ही लेते है। हर एक धर्म वाले अपने-2 धर्म की महिमा करते है। हिन्दुओं को अपने धर्म का पता नही है। तुम हो ब्राह्मण। तुम जानते हो कि हम ही देवी देवता थे। अब पतित बने है। तो समझाना चाहिये कि पतित पावन एक ही बाप है उनको ही याद करना चाहिये। लिबरेटर गाइड भी उनको ही कहा जाता है। दुःख से सारी दुनिया को लिबरेट कर ले जाते है। अब याद किसको करना चाहिये। पतित पावन बाप को याद करने से ही पावन बनेंगे। मौत सामने खडी है। यह भी है महाभारत लडाई है। ऊँच ते ऊँच बाप है। बाप से ही वर्सा लेना है। और कोई ऊपाय है नही। दिन प्रति दिन पआइन्टस बहुत आसान हो जावेंगी। माया का तूफान बहुत लगता है जिसमे तो अच्छे-2 गिर पडते है। ... होगा तो धारना कम ... होगी। फिर ... काम। देहअभिमान से फिर और ... निकलती है। पहले नम्बर ... फीमेल-2 के नाम रूप में फंस अभिमान की बिमारी। देह अभिमान छोडे तो सब बिमारियाँ निकल जावेंगी। यह सब देह अभिमान की हटी ... बिमारी पडते है। आपस में ही थोडे२ आशिक माशूक बनना है। समाचार आता है कि फलाना गिर गया। बहुत कच्चे होंगे तो है। देही-अभिमान से ... हो जाते है। देही-अभिमानी बहुतो के रोज समाचार आवेंगे कि बाबा यह गिर गया, मर गया। इतने गग फेल हो गये। ... कुमारियों को अच्छी ट्रेनिंग मिल सकती है। बनेंगी तो इतना गिरेंगी नही। बडे के निमला इन्स्टर की सेन्टर पर कुमारियों को लेना है। आजकल तो एक टीचर अच्छी हो जो उनको सिखाती रहे। आसार अच्छे देख कर कुमारियों को लेना है। ऐसी को भी नही लेना है कि जो फिर मायारवा लेवे गरीब लोग तो झट दे देंगे। खर्चे से छूट जाते है। ... बहुत जाँच करनी है। शुरू की बातें तंग कर देवो बाबा के हुक्म बिना कोई भी कच्ची को लेना नही है। दूसरा बाबा समझाते है ... तो और ही थी। बहुत आये फिर कितने कच्चे रह गये। कितने टूट पडे। भक्ति मार्ग में अक्सर करके आँखे बन्द करते है। यहाँ तो आँखे कि यहाँ कब भी आँखे बन्द करके नही बैठो। गर्दन ऊँची करके बैठना है। गर्दन नीचे करके खुली रहनी चाहिये। तुमको तो शेरो मुआफिक रहना है। बाप कहते है मैं अभी आकर इनके बाजू में बैठता हूँ। खिवलाता तो बैठने से कुच्छ ले जाते है। ... यह भी एक वन्डर है। यह सबसे तुमको हूँ साथ-2 यह भी सीख जाते है। इनकी आत्मा भी सुनती है ना यह भी एक ... की नजदीक है इसलिये जल्दी सुन जाते है। मैने बोला और इन्होने सुना। तुम भी सुनते हो फिर हर एक की ... यह अपना विचार सागर मंथन कर बतावेंगे। धारना अपनी-2 है। एक जैसा ... कोई सकता नही सकते है। ... मैने तो सुनाया ही नही है इसने अपना यह बाबा भी माना शिव बाबा ही कहते है कि यह प्वाइंट ... होती है कोई किस प्रकार से कोई किस प्रकार सुनाया है। सुनते एक है मगर फिर बोली सबकी अपनी-2 सिकीलधो को याद प्यार और गुड नाईट ... है। ... कदम-2 पर बाप ही की श्रीमत पर चलते वाले